सुलभ उर्दू परिचय

ले.. अमिने हज़ीं
(रा.भा.पंडित)

Published by: A. Haffiz
for Maktab-e-Farog-e-Adab
960, Dastur Meher Road
PUNE - 1.

Printed by: Mirza Artist
Awami Press,
MALEGAON. 423203

कुछ कठीन शब्दोंके अर्थ

کچھ مشکل الفاظ کے معنی

आफ़ाक़	=	अुफ़क़ का बहुवचन
अुफ़क़	=	क्षितिज़
आज़ार	=	तकलीफ़
दयार	=	घर
ख़ोर	=	खाना
ह़रीफ़	=	दुश्मन, विरोधी
रफ़ीक़	=	दोस्त
जाअेज़ा	=	अवलोकन (निरीक्षण)
नुमाअेंदा	=	प्रतिनिधि
ज़ुहर	=	दोपहरका समय (नमाज़का)
फ़ितरत	=	प्रकृति
समर	=	फल
रस्मेकुहन	=	पुरानी रस्म
त़रज़े अ़मल	=	कार्य पध्धति
क़ाफ़	=	अेक पहाड़का नाम
जोशे जुनूँ	=	दीवानगी का जोश
अुन्वान	=	शीर्षक
जबीं	=	पेशानी, कपोल
ज़ुअ़फ़	=	बुढ़ापा
मजरूह़	=	ज़ख़मी

**

حروف کی اصلیت

چونکہ اُردو زبان ہندی، فارسی اور عربی سے مِل کر بنی ہے لہٰذا اس میں سب زبانوں کے حروف موجود ہیں۔

خاص عربی حروف یہ ہیں:۔

ث، ح، ذ، ص، ط، ظ، ع، ق

स़ ह़ ज़ स त ज़ अ क़

عربی اور فارسی دونوں میں:۔

ز، ف، خ، غ

ज़ फ़ ख़ ग़

خاص فارسی حرف:۔ ژ

ہندی حروف:۔

ٹ، ڈ، ڑ

بھ، پھ، تھ، ٹھ، جھ، چھ، دھ، ڈھ، ڑھ، کھ، گھ، لھ۔

باقی حروف سب زبانوں میں مُشترک ہیں۔

(قواعدِ اُردو)

اُردو کے نثر نگار उर्दू के लेखक

۱۔ ڈاکٹر سر سیّد احمد خان ۲۔ مولانا محمّد حسین آزاد ۳۔ مولانا شبلی نعمانی ۴۔ مولانا ابوالکلام آزاد ۵۔ مولانا الطاف حُسین حالیؔ ۶۔ مولانا عبد الحلیم شررؔ ۷۔ ڈپٹی نذیر احمد ۸۔ مُنشی پریم چند ۹۔ کرشن چندر ۱۰۔ پنڈت رتن ناتھ سرشارؔ ۱۱۔ پنڈت برج موہن چکبستؔ ۱۲۔ پنڈت بدری ناتھ سُدرشن۔

اُردو کے شعراء उर्दू के कवि

(۱) مرزا اسد اللہ خان غالبؔ (۲) برج موہن دتاتریہ کیفیؔ (۳) سر ڈاکٹر محمّد اقبالؔ (۴) جگر مرادآبادی (۵) نظیر اکبر آبادی (۶) پنڈت برج موہن چکبستؔ (۷) پنڈت دیا شنکر نسیمؔ (۸) پیارے لال شاکرؔ (۹) منشی تلوک چند محرومؔ (۱۰) اکبر الہ آبادی (۱۱) جوشؔ ملیح آبادی (۱۲) مولانا الطاف حسین حالیؔ (۱۳) مرزا انیسؔ (۱۴) داغؔ دہلوی (۱۵) شکیلؔ بدایونی۔

دِن दिन

اتوار، پیر، منگل، بُدھ، جمعرات، جمعہ، سنیچر

مہینے महिने

(یہ عربی مہینوں کے نام ہیں۔ اُردو بھاشا میں کوئی الگ نام نہیں ہیں۔ یعنی اُردو کے اپنے نام نہیں ہیں۔)

(۱) محرّم (۲) صفر (۳) ربیع الاوّل (۴) ربیع الثّانی (۵) جمادی الاوّل (۶) جمادی الثّانی (۷) رجب (۸) شعبان (۹) رمضان (۱۰) شوّال (۱۱) ذیقعدہ (۱۲) ذی الحجّہ۔

پانو مٹّی کی تہوں میں میل سے چکٹے ہوئے

ایک بدبُودار میلا چیتھڑا باندھے ہوئے

جا رہا ہے جانور کی طرح گھبرایا ہُوا

ہانپتا، گِرتا، لرزتا ٹھوکریں کھاتا ہُوا

راستے میں راہ گیروں کی نظر سے بے نیاز

شورشِ ماتم سے، نغموں کے اثر سے بے نیاز

مُضمحل درماندگی سے اور فاقوں سے نڈھال

چار پیسے کی توقع سارے کُنبے کا خیال

اِس کے دِل تک زِندگی کی روشنی جاتی نہیں

بھول کر بھی اُس کے ہونٹوں پر ہنسی آتی نہیں

علامات

،	سکتہ	“ ”	واوین
۔	پورا وقفہ، ختمہ	( )	قوس
		{ }	"
؛	وقفہ	[ ]	"
؟	علامتِ استفہامیہ (سوالیہ نشان)	:	رابطہ
!	علامتِ استعجاب (فجائیہ، ندائیہ)	:-	تفصیلیہ

क़ौसे कुज़ह = قوسِ قُزح

(क़ + ौ) + (स + े) + (क़ + ु) + ज़ + ह = قٗ + وٗ + س + ِ + قُ + ز + ح

मतलअ़ = مطلع

म + त + ल + अ़ = م + ط + ل + ع

ज़ाहिर = ظاہِر

ज़ + ा + (ि + ह) + र = ظ + ا + ہ + ِ + ر

ज़ा + हि + र

اب آپ اچھی طرح اُردو لکھ پڑھ سکتے ہیں۔ آئیے ذرا سیمابؔ اکبرآبادی کی یہ نظم پڑھ کر حظ اُٹھائیے۔

نظم کا عنوان ہے۔

مزدور

گرد چہرے پر پسینے میں جبیں ڈوبی ہوئی
آنسوؤں میں کہنیوں تک آستیں ڈوبی ہوئی

پیٹھ پر ناقابلِ برداشت اِک بارِ گراں
ضُعف سے لرزی ہوئی سارے بدن کی جُھرّیاں

ہڈّیوں میں تیز چلنے سے چٹخنے کی صدا
درد میں ڈوبی ہوئی مجروح ٹخنے کی صدا

کسرِ عام		کسرِ اعشاریہ	
$\frac{1}{2}$	ایک بٹے دو	۰۵	پانچ دسویں
$\frac{3}{4}$	تین بٹے چار	۰۰۶	چھ سویں
$3\frac{7}{9}$	تین صحیح سات بٹے نو	۰۱۱۹	ایک سو انیس ہزارویں
		۵۰۹	پانچ صحیح نو دسویں

कुच्छ शब्दोंका पृथक करण

मज़दूर مزدوٗر

م+ز+د+وٗ+ر = म+ज़+(द+ू)+र

आसतीं = آستیں

آ+س+ت+ی+ں = आ+स+(त+ी)+ं

मजरूह़ مجروٗح

م+ج+ر+وٗ+ح = म+ज+(र+ु)+ह़

मुजमाह़ल = مُضمحِل

مُ+ض+م+ح+ل = (म+ु)+ज+म+ा+ह़(हि़)+ल

होंटों = ہونٹوں

ہ+و+ں+ٹ+و+ں = (ह+ो+ं)+(ट+ो+ं)

हों टों

چھ	छ	دھ	ध
جھ	झ	ڑھ	ढ़
ڈھ	ढ		

اُردُو ہندسے
उर्दू अंक

۰ صفر

۱	ایک	۱۱	گیارہ
۲	دو	۱۲	بارہ
۳	تین	۱۳	تیرہ
۴	چار	۱۴	چودہ
۵	پانچ	۱۵	پندرہ
۶	چھ	۱۶	سولہ
۷	سات	۱۷	سترہ
۸	آٹھ	۱۸	اٹھارہ
۹	نَو	۱۹	انیّس
۱۰	دس	۲۰	بیس

		۸۰	اسّی
۳۰	تیس	۹۰	نوّے
۴۰	چالیس	۱۰۰	سَو
۵۰	پچاس	۱۰۰۰	ہزار
۶۰	ساٹھ	۱۰۰,۰۰۰	لاکھ
۷۰	ستّر	۱۰,۰۰,۰۰,۰۰۰	کروڑ

حروفِ تہجّی

वर्णमाला

अ	= ا	आलिफ़
ब	= ب	बे
प	= پ	पे
त	= ت	ते
ट	= ٹ	टे
स़	= ث	से़
ज	= ج	जीम
च	= چ	चे
ह़	= ح	ह़य
ख़	= خ	ख़य
द	= د	द़ाल
ड	= ڈ	डाल
ज़	= ذ	ज़ाल
र	= ر	रे
ड़	= ڑ	ड़े
ज़	= ز	ज़े
स	= س	सीन
श	= ش	शीन
स	= ص	स्वाद
ज़	= ض	जुवाद़
त	= ط	त़ोय
ज़	= ظ	ज़ोय
अ़	= ع	अ़ैन
ग़	= غ	ग़ैन
फ़	= ف	फ़े
क़	= ق	क़ाफ़
क	= ک	काफ़
ग	= گ	गाफ़
ल	= ل	लाम
म	= م	मीम
न	= ن	नून
व	= و	वाव
ह	= ہ	हे
ई = य	= ی	छोटी ये
य	= ے	बडी ये
	بھ	भ
	پھ	फ
	تھ	थ
	ٹھ	ठ
	نھ	न्ह
	لھ	ल्ह
	کھ	ख
	گھ	घ

ध्यानमें रखनेकी बातें :-

دھیان میں رکھنے کی باتیں۔

क	=	ک	—	=	ـ
का	=	کا	ा	=	ا
कि	=	کِ	ि 4	=	ِ
की	=	کِی - کِپ	ी	=	ِی - پ
कु	=	کُ	ु	=	ُ
कू	=	کُو	ू	=	ُو
के	=	کے	े	=	ے - یـ
कै	=	کَے	ै	=	َے - یَـ
को	=	کو	ो	=	و
कौ	=	کَو	ौ	=	َو
कँ	=	کںٔ	ँ	=	ں - ںٔ

क्क کّ = — = ّ

ज़ेर	...ِ...	زیر	खड़ा ज़बर ...ा...	ٰ =	کھڑا زبر
ज़बर	...َ...	زبر	नून ग़ुन्ना ...ں...	=	نون غنّہ
पेश	...ُ...	پیش	मद ...ٓ...		مد
जज़म	...^...	جزم	दोचश्मी "ह" ...ھ...		دوچشمی "ھ"
तशदीद	...ّ...	تشدید	दो ज़बर ...ً...		دوزبر
हमज़ा	...ء...	ہمزہ			

※ ِ / ज़ेरेइज़ाफ़ी

دردِ دل = دل + ِ + درد दर्दे दिल

شانِ وطن = وطن + ِ + شان

(१) [※ अिस चिन्ह का उपयोग दो शब्दोंको मिलाकर एक शब्द बनाने के लिये — दो शब्दोंके बीचमें प्रयोग करके किया जाता है।

उदा:- शान + े + वतन = शानेवतन

شانِ وطن = وطن + ِ + شان

(२) यह चिन्ह अक्षरके निचे होगा अुसके साथ "े" जोड़कर अुसका उच्चार करना होगा।]

(१) पढ़िये:-

سِمِ کہن، حُسنِ طلب، دامنِ صبر، گردشِ روزگار،
نامِ وطن، جوشِ جنوں، طرزِ عمل۔

(२) उर्दूमें लिखिये:- रश्के फ़िरदोस, शाअ़रे रोमान, शामेअवध, शाहे जहाँ, दामाने दश्त, दरसेअ़मल, नूरे हिंद.

[अैसे बनने वाले शब्दोंको "मुरक्कब अलफ़ाज़" (मिश्र शब्द) कहते हैं।]

पाठ चौबीसवाँ

अन (अलिफ़ दो ज़बर) اً — भाग १

* شرق ا شرقاً
غالب ا غالباً

اِتفاقاً، غرباً، شمالاً، جنوباً، مثلاً، امتحاناً، قریباً-

[* जिस शब्दके अन्त में اً हो अुसका उच्चार आन्तिम अक्षरको "न" जोडकर होता है।

उदा:- शरक़ + اً = शरक़न
मस़ल + اً = मस़लन

पर जब किसी शब्दके अन्त में पहले ही ا हो उस शब्द के आगे हमज़ा लगा देते हैं।

उदा:- ابتداً

भाग २

~ मद

ا + ~ = آ

बआसानी ب + آ + سانی = بآسانی

मआब مآب

बिलआख़िर بالآخر

←

ا ب ج ح خ ع غ ف ق ک ل م و ہ اور ی

उर्दूमें लिखिये :- सादिकुल क़ौल, बुल हवस, नूरुल अ़ैन, फ़ासिहुल बयान, अल फ़ुरक़ान.

भाग २रा

ال

←

* شمس + ال + دین = شمس الدین शमसुद्दीन

الشمس، صاحب الذکر، ہارون الرشید۔

[* ये अ़रबी शब्द हैं। इन शब्दोंमें ال का उच्चार पहले जुड़ने पर "अ" की आवाज़ में होता है।
उदा :- الشمس अश्शम्स और जब दो शब्दोंके बीचमें "अल" आता है तो "अल" का उच्चार नहीं होता, परंतु पहले शब्दका आन्तिम अक्षर अुकारान्त होता है और दुसरे शब्द के पहले अक्षरको ّ लगाकर पढ़ा जाता है।]

इस नियमानुसार केवल निम्न लिखित अक्षरों के साथ ही ال का प्रयोग होता है।

← ت ث د ذ ر ز س ش ص ض ط ظ اور ن

पाठ तेईसवाँ

←

अल्लाह = लाह + अल

ال + لہ = اللہ

अब्दुल्लाह عبدُ + اللہ = عبدُاللہ

عنایت اللہ، حبیبُ اللہ، ہدایت اللہ۔

(१) उर्दूमें लिखिये:- शाफ़िअुल्लाह, ह़मीदुल्लाह.

भाग १

अल = ال ※ ←

अब्दुल करीम عبدُ + ال + کریم = عبدُالکریم

बद्रुलहसन بدُر + ال + حسن = بدُرالحسن

عبدالجلیل، نورُالحسن، بالکل، الیوم۔

(१)[※ जब दो शब्दोंके बीचमें ال आता है तब पहले शब्दका आन्तिम अक्षर अुकारान्त होता है। और दुसरे शब्दके पहले अक्षरसे जोड़ा जाता है।

अैसे समय "ا" का उच्चार नहीं होता।

(२) जिस शब्दके पहले ال आता है अुसमें अल ال का उच्चार किया जाता है। उदा:- ال + امان = الامان अलअमान.

इस नियमानुसार निम्न लिखित अक्षर ही के साथ ال का प्रयोग होता है।

←

نماز ہو گی، سب عید ملیں گے۔
مُغل، مظہر، طاہر اور رشید بھی جائیں گے۔
شمع انور نے تو ہاتھوں میں مہندی لگا رکھی ہے۔
طالب علی کل صبح بمبئی سے آئے گا۔
اُس کے ساتھ اثر وارثی بھی آرہے ہیں۔
وہی اثر صاحب جو ہمارے جھگڑے میں ثالث بنے تھے۔

पाठ बाईसवाँ

(खडा ज़बर)

भाग १

ا کھڑا زبر

←

ر + ح + م + ا + ن = رحمان ※ रहमान

ر + ح + مٰ + ن = رحمٰن रह़मान

اسحٰق، اِسمٰعیل، علاوہ

[※ जिस अक्षर पर "ا" (खडा ज़बर) होगा उसका अुच्चार "ा" जुड़े हुवे अक्षर जैसा होगा]

भाग २

(یٰ = ा)

※ یٰ

← مُو + س + یٰ = موسیٰ मूसा

← मू + स + ा = मूसा

عیسیٰ، لیلیٰ

[※ जिस शब्दके अन्तमें हो अुसको भी "ा" ही समझना चाहिये ।]

(१) उर्दूमें लिखिये :- ज़ुहर, नज़र, फ़ितरत, अिज़्हार, तूफ़ान, ज़फ़र, ताक़, तबअ़, तोक़, मतलब, मज़हर.

पाठ अिक्कीसवाँ

स़ ث ※ पूर्णरूप

ثابت، اثر، ثمر، ثبوت، نثار، کثرت۔

[※ यह अक्षर ب वर्गके अक्षरोंमें से है। इसके जोड़ "ب" के जैसे जोड़ हैं।] (१) उर्दूमें लिखियेः- वारीस़, स़ालिस़, अस़ास़ा, वारस़ी.

गृह पाठ

देवनागरीमें लिखीये:

آج رمضان کی ٢٩ تاریخ ہے۔

مغرب کا وقت ہے۔

دیکھو چاند نظر آرہا ہے۔

کل عید ہوگی۔

اختر، سعید، وارث اور ظفر نے دوڑے دوڑے گھر جاکر چاند مبارک چاند مبارک کا شور مچا دیا ہے۔

عادل، رشید، کریم اور اسلم بھی آئے۔

اُنہوں نے بھی مبارک باد دی۔

کل صبح سب عیدگاہ جائیں گے۔

ع ا عا

مغل مغل * مُ + غ + ل = مغل मुग़ल

شمع شمع ش + م + ع = شمع शमअ

[* ع के जोड़को तथा लिखनेके ढंगको ध्यानमें रखना अवश्य है।]

عادِل، عقل، غم، مُرغا، عالم، غیر، مُغل، سعید، عید، عِلم، عادت، تعمیر، مغرِب، شمعدان، مُرغی، غرور، مغرور ۔

(१) उर्दूमें लिखिये:- ग़ौर, बाअ़द, अ़लीम, बग़ल, ग़ाज़ी, ग़रीब, अ़ज़ीज़, अ़मल.

पाठ बीसवाँ

ط

ज़ ظ त ط पूर्ण व छोटे रूप

ط + ا = طا

ظو، طر، طا، طب، طح، طم، طل

طاہر، طوطا، ظاہر، ظہور، طب، اِطبّاء، طلب، لطیفہ ۔

[* इन दो अक्षरोंका रूप बदलता नहीं।]

गृहपाठ

آئیے صاحب!
شکریہ!
تشریف رکھیئے۔
کہئے مزاج کیسے ہیں۔
کیا خدمت کروں آپ کی؟
او ہو!
بھائی صاحب آپ کے یہاں تو صاف صفائی بہت اچھی ہے۔
یہ تصویر کس کی ہے؟
اُن کی صورت تو جانی پہچانی سی لگتی ہے۔
ضرور! اجی صاحب یہ ہیں ہمارے ناصر صاحب۔
اچھا، اب سمجھا۔
خیر لیجئے، چائے حاضر ہے۔
حضور اِس کی کیا ضرورت تھی۔
تکلف نہ فرمایئے، نوش کیجئے۔
شکریہ!
چلیئے سب صحن میں چل کر بیٹھیں۔
ہاں صاحب ضرور چلیئے۔

पाठ उन्निसवाँ



पूर्ण रूप	अ़ ع	ग़ غ
छोटे रूप	ﻋ ﻏ	ﻌ ﻐ

مائل، آئینہ، سائل، فائدہ، جائداد، زائل، نمائندہ،
مسئلہ، اُمراء۔

पाठ अठारहवाँ



ज	स	
ض	ص	पूर्णरूप ←
ضـ	صـ	छोटे रूप ←

صـ + ا = صا　सा

ضـ + و = ضو　जो

صاف، صوٗرت، صفائی، ضروٗر، ضرب، صاحب،
ناصِر، تصویر، ضخامت۔

(१) उर्दू में लिखिये:- जामिन, सह़न, ह़ाजिर, मुसव्विर, मुजिर, मिजराब, मसरूर, मसरूफ, फ़सल, फ़िज़ूल.

(२) लीजिये अब आपतो शेर पढ़ सकते हैं।

خوب پردہ ہے کہ چلمن سے لگے بیٹھے ہیں
صاف چھپتے بھی نہیں سامنے آتے بھی نہیں

اَے مُصوّر تیرے ہاتھوں کی بلائیں لے لوں
خوب تصویر بنائی میرے بہلانے کو

पाठ सत्रहवाँ

ء ※

आ + ए = (आए) आये

आ + ई = आई

آ + اے = آئے

आये — آ + ئے = آئے

آ + ای = آئی

आई — آ + ئی = آئی

आओ — آ + ؤ = آؤ

بھائی، پائے، پائی، کئی، گئی، پیئے، دیئے، بنائی،
کٹائے، اُٹھائے، سِلائی، مِلائی، نائی، دیجیئے، کہیئے،
کیجیئے، بمبئی، بسئی، دُھلائی، چھائے، مِٹھائی، اپنائیے،
لُٹائے، سُنائی، لیئے، کھاؤ، پلاؤ، مناؤ، اپناؤ۔

[※ ء इसे हमज़ा कहते हैं। जब ی अथवा و की आवाज़ खींचकर निकालनी होती है तब इसका उपयोग कभी कभी करते हैं।]

ء का और एक उपयोग जो अक्षरोंके बीचमें होता है।

उदा:-

ज़ायद	زا + ء + د = زائد
हक़ाअेक	حقا + ء + ق = حقائق
जाअेज़ा	جا + ء + زہ = جائزہ

१) उर्दूमें लिखिये :- पढ़ो, थाल, छत्री, छत, छुरी, थैला, झाड़ू, भूका, दूध, खेड़ा.

गृहपाठ

←

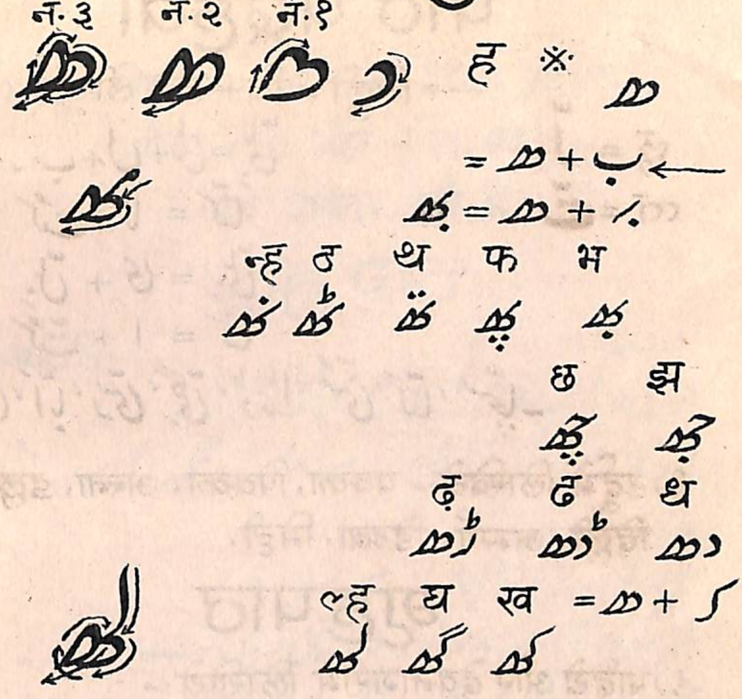
१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये :-

یہ ہمارے گانو کا بازار ہے۔
بازار میں برتن، کھلونے اور پھل ہیں۔
مدھو آٹھ آنے کے پھل خرید لے۔
بھابھی نے اچھّے اور پکّے پھل مانگے ہیں۔
ارے بھیم! اِدھر دیکھ یہ کون ہے۔
اوہو! یہ تو بھکاری ہے۔
اُس کے ہاتھ میں تھیلی بھی ہے۔
وہ ڈھول بجا کر گانا گا رہا ہے۔
اچھّا اب جلدی کرو۔ بہت وقت ہو گیا۔
گھر چلو، بھوک لگ رہی ہے۔ کھانا کھانا ہے۔
راجن دو سیر دودھ بھی لو۔

२) उर्दूमें लिखिये :- छोटीरानी! तुम्हारी अठन्नी दे दो। तुम तो बड़ी अच्छी हो। वाह! वाह! हम तुम्हें खिलौने दिला देंगे। क्या लोगी? छत्री वाली गुड़िया या लकड़ी का घोड़ा?

बोलो! जो मांगोगी मिलेगा। मगर हाँ खेल में मस्त न हो जाना। देखो, नन्हा झूला झूल रहा है। दुल्हन भाभी से कहो, चुल्हे पर से दूध उतार लें।

पाठ सोलहवाँ



[※ इस ह का उपयोग हिन्दी ख, घ, ध आदि अक्षर बनाने के लिये होता है।]

१) पढ़िये :- ←

بھالو، بھاٹ، پھل، پھول، بھر، پھٹ، تھم، تھن،
ٹھوکر، ٹھہر، آٹھ، تھو، تھالی، تھر، بھر، بھابھی،
دھو، دھوبی، دھن، ڈھول، دھوپ، ڈھیر،
پڑھ، چڑھ، کڑھائی، کھا، کھانا، کھیل،
کھو، گھوڑا، دولھا، چولھا، جھولا، جھرنا،
چھوڑ، چھم چھم، اچھے۔

पाठ पंद्रहवाँ

→ बिल्ली = बि + ल + ली

ल्ल = لّ

त्त = تّ

← ب + ل + لی = بِلّی

کُت + تا = کُتّا

بِلّ + ی = بِلّی

کُتّ + ا = کُتّا

اَمّی، اَبّا، رسّی، گِلّی، ڈنڈا، مُنّی، گنّا، سچّا۔

१) उर्दू में लिखिये:- पक्का, पिक्का, अन्ना, डल्ला, दिल्ली, अम्माँ, डिब्बा, मिट्टी.

गृह पाठ

१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये:-

← یہ راجن بابو کا مکان ہے۔

مکان کے سامنے کُتّا ہے۔

اُنہوں نے ایک بلّی پالی ہے۔

اُس کے ابّا دفتر جا رہے ہیں۔

امّاں روٹی پکا رہی ہیں۔

مکان کے نزدیک بکری ہے۔

بکری کے گلے میں رسّی ہے۔

بکری کے پاس بچّے ہیں۔

بچّے کے پاس گلّی ڈنڈا ہے۔ رام کی بہن مُنّی سچّی بچّی ہے۔

←

جَنگ، بَند، چاند، گَند، رنج۔

(९) उर्दूमें लिखिये :- दंग, संग, बेरंग, आँचल,
आँगन, बंदा, माँग, अंडा, बंदर,
चंद, पाबंद, जहाँ, मैं.

गृह पाठ

९) पढिये :-

←

اری او! حمیدہ، شیلا کی ماں کو بلا کر لا۔
اور ہاں سُن تو ذرا! اُن سے سُرخ رنگ کی ساڑی
مانگ لا۔
کُسم تو نے کُرتا کہاں سے سِلایا؟
ماں کہہ رہی ہے ساڑی کا آنچل وہیں سے سِلا لے۔
جاتے جاتے اپنے سنگ چاندنی کو لے جا۔
کہیں دیر نہ لگانا ہاں!
آج تیری تمام سہیلیاں یہاں آ رہی ہیں۔

२) उर्दूमें लिखिये :-

मैं आँगन मे कुर्सी टेबल लगा रही हूँ।

अरी सलमा तू यहीं रह। ज़हरा जबीं को बुलाले।

यहाँ बहुत काम पड़ा है।

तू जहाँ जाती है वहीं की होजाती है।

और बातों में लग जाती है।

ऐसा मत कर जल्द लौट आ।

←

اُن کو پیسے دو۔ وہ بیل گاڑی پر چلے۔

شام کے پیٹ کا درد بہت ہے۔

سیتا تم اپنے کپڑے جلد بدل ڈالو۔

تمہارا فراک میلا ہو گیا ہے۔

یہ لو شوکت چار پیسے فقیر کو خیرات دو۔ خوب بہت خوب۔

واہ واہ تم تو بڑے ہوشیار لڑکے ہو!

تم کس کے بیٹے ہو؟

पाठ चौदहवाँ

भाग १

(अ + ँ = अँ)

ں

←

ا + ں = اں ←

آ + ں = آں

ما + ں = ماں

ہے + ں = ہیں

ہاں، کہاں، یہاں، نہیں، کہیں، یاں، وہاں۔

भाग २

←

※ ا + ں + گ

ا + ن + گ = انگ — अँग

ر + ن + گ = رنگ — रँग

[※ ں का उपयोग जब किसी शब्द के बीच में होता है तो उसका छोटा रूप ں बन जाता है। क्योंकि यह "न" का ही रूप है।]

←

شام اور کون کون آیا۔
کیا کہا، ماما اور مامی!
گُلنار تیرا ماما کب آیا۔
میرا ماما دور سے پرسے کل ہی آیا۔
جمیل اپنے نوکر کو بُلا۔
دوڑ جلد دوڑ۔
دولت تو سو رہ۔
ہم مولا دادا کے مکان پر چلے۔

पाठ तेरहवाँ

(ٗ = ـــٕے = یٗ) → अ + ٗ = औ

←

اٗ + ئے = اٗئے औ
س + یٗ + ر = سیٗر सैर

خیر، خیرات، ہے، کیسا، میل۔

(१) उर्दू में लिखिये :- ऐसा, हैरान, पैमाना, मैख़ाना, क़ैस, लैला, बैरागी.

गृह पाठ

(२) पढ़िये और देवनागरी में लिखिये :- ←

اکرم ریلوے اِسٹیشن چلو۔
دیر مت کرو۔ ورنہ ریل نِکل جائے گی۔
شام اور سپنا سیر کو چلے۔

←

شکیلا تُم اُس کی مدد کرو۔
کُلدیپ پُونا شہر جا۔
ایک گُڑیا خرید کر لے آ۔
کُمار دُور تک چل۔
نُورا کا کالا کوٹ ہم کو دے۔
چار سیر پیلے امرُود تول دو۔
سہدیو تُم اپنے ہات سے کپڑے نکال دو۔
سُورج کی روشنی بہت تیز رہی۔
کُسُم تیرے پاس ہیرے کا ہار ہوتا تو ہم لے لیتے۔

पाठ बारहवाँ

(ौ = وْ) → अ + ौ = औ

←
اوْ = وْ + ا औ
کوْ = وْ + ک कौ

اوْر، کوْن، شوْکت، دوْڑ۔

(१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये:-

سوْدا، موْلا، دوْلت، لوْٹا، اوْسان، گوْنا، دوْر، پوْدا۔

(२) उर्दूमें लिखिये:- नौकर, सौदागर, नौनिहाल, जौलानी, शौक़.

गृह पाठ

(१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये:-

ارے، یہ لو اسلم آیا۔

पाठ ग्यारहवाँ

(ू = ُو)   भाग १

द+ू=दू   क+ू=कू ←

د + ُو = دُو

ک + ُو = کُو

دُور ، کُود ، چُور ، بُوٹ ، پُونا ۔

भाग २

(ु = ُ) द+ु=दु ←

د + ُ = دُ

ک + ُ = کُ

دُم - اُس - کُمار - پُل - رُک

(१) निम्न लिखित शब्द पढिये और देवनागरीमें लिखिये:-

← پُورا ، تُو ، جُوتا ، رُوسو ، نُور ، گُلاب ، بُلبُل ، گُڑ ، بُرا ،
مُلاقات ، سُن ، لُوٹ ، تُلنا ، تُکارام ، مُنکیلا ، کُرتا ۔

(२) उर्दूमें लिखिये:- चूना, पारु, कूट, अमरूद, बुला, नकुल, कुसुम, क़बूल, तरबूज़, सूरज, चूहा, चाकू, कूडा, उर्दू.

गृह पाठ

(१) निम्न लिखित वाक्य पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये:-

← اختر اپنا کام پُورا کرو ۔
یہ لو حساب کی کتاب ۔
چلو جلدی سے حساب حل کرو ۔

पाठ दसवाँ

भाग १

※(ी = ی = یٖ) ⟶ द + ी = दी

दी دی ی د ⟵

दीन دین ن یٖ د

ی ئ نی بی، کی، ٹی، پی

⟶ भाग २

(ि = ِ) द + ि = दि

दिन دِن = ن + ِ + د

मिट مِٹ = ٹ + مِ

अिस اِس = س + اِ

[※ उर्दू शब्द के आन्तिम अक्षर हमेशा पूर्ण रूपमें लिखे जातेहैं। इस लिये कभी कभी हिन्दीके ऐसे शब्द जो ह्रस्व इकारान्त होतेहैं। उदा: पति, गति,. उर्दूमें दीर्घ इकारान्त के प्रयोग सेही लिखे जायेंगे।

(१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये:-

دن، اِس، کِس، جیسے، مالی، چیل، کیلا، پیلا، حساب، درزی،
ساری، دادی، دری، گِرجا، اپنی، نواسی، پلانا، ساحِل،
کاہِل، تِل، حریف، شریف، بیمار، مینا، رفیق، کِتنا،
سیاہ، رشید، دِلدار، فرشتی، پانی، لڑکی، قاسِم -

(२) उर्दूमें लिखिये:- किसे, रसीद, ख़लील, विकार, आकाशवाणी, गीता, सीता, मालिक, साड़ी, रहीम, किताब, रसीला, जमील, हीरा.

गृह पाठ

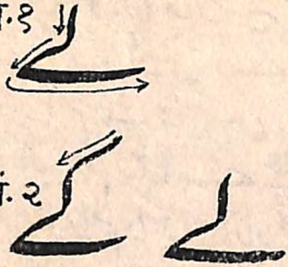
(१) पढ़िये और देवनागरी में लिखिये।

موہن سوہن آیا۔
جا سوہن چار سیر جوار تول لا۔
دس گز لیس دے۔
شام تک واپس چلے آنا۔
اکبر ہم ریل سے چلے۔
چلو رام داس، بازار چلو۔
دارا، سر پر ہیٹ لگا لو۔
آشا، جلد چل، دیر نہ کر۔
یہ لو! دوپہر کا وقت آیا۔
تیرا کام کب ہوگا؟
چل مالن سے بیر لے۔ اے لڑکے!
ہمارا چیک ہمارے نام کا دو۔
جیلر کل کے جہاز سے آیا۔
اب پہاڑ پر چلے جا۔
لڑکے اپنے چاچا کو کیلے دے۔
یہ تو سب کیلے خراب لایا۔
راجے خان، جلد جا، یہ کیلے راستے پر بیچ آ۔
اپنے موہن سے بڑے بڑے انار لے آ۔
دس کیک، دو جام، چار سیر چاول لا۔
وہ کاہے کا گانے والا۔
چار آنے کا سونا لے کر دو۔
اپنا نام، پتا کب بتاؤ گے؟

पाठ नौवाँ

(ـے = ے = یـ) ⟶ द + े = दे

नं.१ नं.२



दे	دے	ـے	د
ले	لے	ـیے	ل
बे	بے	ـیے	ب
के	کے	ـیے	ک
से	سے	ـیے	س
मे	مے	ـے	م
जे	جے	ـے	ج
हे	ہے	ـے	ہ
बेर	بیر	ر ـیـ	ب
देर	دیر	ر ـیـ	د
मेल	میل	ل ـیـ	م
सेर (سیر)	سیر	ر ـیـ	س

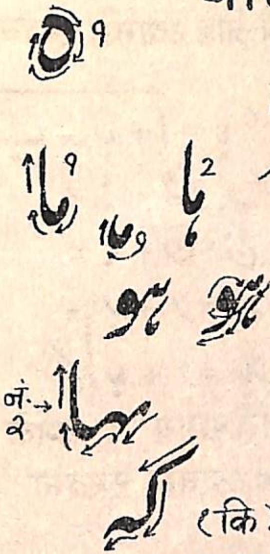
(१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये:-

⟵ سیب، لیس، دیس، ہیٹ، پیٹ، جیل،
راجے، دیگ، ٹیک، دینا، تیرا، میم، لڑکے، لے،
نالے، کالے، ناکے، پیچ، میخ، کاسے، کیلا، تیز، کاٹے
بولے، تولے، تانے، باٹے، گانے، کوپے۔

(२) उर्दूमें लिखिये:-

सेब, लेना, मेरा, देर, जेलर, बेज़ार, बड़े, पाते,
तेल, रेल, केस, अजमेर, चेक, बेकार.

पाठ आठवाँ



ह ہ पूर्ण रूप

ھ ، ہ ، ہ ، ـہ छोटे रूप

हा ہا = ا + ہ

हो ہو = و + ہ

हा ہا = ا + ہ

बहा بہا = ا + ہ + ب

जहा جہا = ا + ہ + ج

(कि) केह کہ = ہ + ک

(न) नह نہ = ہ + ن

(यह) यह یہ = ہ + ی ※

[※ फारसी शब्दोंमें कभी कभी ہ का उच्चार ा जैसा होता है। उदा. پروانہ ، دیوانہ

راستہ ، پردہ आदि।]

(१) पढ़िये और देवनागरीमें लिखिये :-

← آہ ، آہا ، ہار ، رہا ، ہم ، چاہ ، سوہن ، ہر ، ہارا ،

بہار ، ہوتا ، کہ ، لہاہا ، پردہ ، دسہرا ، جہاز –

(२) उर्दूमें लिखिये :-

पहाड़, होना, सहरा, हाल, हमारा, कहा, ह़ालत, महात्मा, ह़माम, चहार, मोहन, राह, ह़ज, ह़राम, हल, कहो.

पाठ सातवाँ

"ب"(ब) वर्गके अक्षर अलग अलग अक्षरोंसे अलग अलग ढंगसे जुडते हैं। इस लिये ये जोड ध्यानमें रखना जरूरी है!

←

ب = ب + ا = با ، بل، بنا، بن، ٹب

= ﺑ + و = بو، نو، بس

= ﺑ + ج = بج ، بجا، بم ، ٹما

※ = ﺑ + ر = بر ، پر ، ٹڑ، بٹر

= ب + د = بد ، ند، سند

[※ "र" और "द" वर्गके अक्षरोंसे जुडते समय "ब" वर्गके अक्षर किस प्रकार जुडते हैं। यह ध्यानमें रखना चाहिये]

(१) पढिये और देवनागरीमें लिखिये :-

←

اسلم کو نوٹ مت دو -

دس کا نوٹ کون لایا -

اپنا دامن بچاکر چلو -

جج کو اپنا سچ نام بتا -

تارا سر پر ٹماٹر کا ٹوکرا لو -

شاردا بٹن بناکر دو -

مورا کو دو بوتل دوا دو -

بازار جا برتن بچاکر لا -

(२) उर्दूमें लिखिये:- (१) अकबर नमाज़को गया। (२) चार बोतल दवा मलो। (३) बस सब बदन पर मत डालो। (४) सनद बदलकर ला।

पहले छः पाठोंपर आधारित वाक्य :-

(१) निम्न लिखित वाक्य पढ़िये और
देवनागरी में लिखिये :-

←

لالا آپا کو چار پان دو ۔
راما آج رات کو آیا ۔
لو دو بوتل دال دو ۔
راجا کو کوٹ دو ۔
بابا نانا کو گول چاک مت دو ۔
آدم دادا چار آم کاٹو ۔
رام داس کب آیا ۔
دارا رام داس آج شام کو آیا ۔
شاردا کو دس انار دو ۔
سارا بازار جا ۔
خان کل آیا ۔ خان بادام لایا ۔

(२) उर्दू में लिखिये :-

१) राजा का फोटो लो।
२) लाल अनार काट दो।
३) ओ, बाबा मत रो।
४) मोर मोर नाच नाच
५) आपा मोर को मत मारो।
६) दादा अपना नाम बोलो।
७) सबको अपना पता बतादो।
८) राजा को कोट दो।

*

पाठ छठा

(ो = و)   → अ + ो = ओ



←

ا	+	و	=	او	ओ
د	+	و	=	دو	दो
س	+	و	=	سو	सो
ل	+	و	=	لو	लो
ک	+	و	=	کو	को
ج	+	و	=	جو	जो
م	+	و	=	مو	मो
ف	+	و	=	فو	फ़ो
ق	+	و	=	قو	क़ो
ب ﺑ	+	و	=	بو	बो ※

[※ "ब" (ب) जब "و" से मिलता है तो उसका रूप ﺑ हो जाता है। इसी तरह ب वर्ग के सभी अक्षरों के रूप ऐसे ही बनते हैं। जैसे لو تو نو یو आदि।]

(१) निम्न लिखित शब्द पढ़िये:-

← او، دو، ڈول، بولو، تول، روک، رو، جو، چور، شور، سونا، بولا، یوگ، لوک، گول، مور، فون، ڈرپوک، یوجنا، کوٹ، لو، کالوٹ، نوٹ، دامودر، شاکول، کوکاکولا۔

(२) उर्दू में लिखिये:- तोला, रोला, खोर, सो, तोप, लोग, नोक, नोकदार, मोल, क़ोरमा.

छोटे रूप

سـ شـ एवं ـسـ ـشـ



→ स + ा = सा

سا ا سـ ←

سا شا एवं ـسا ـشا

भाग २

नं. २ नं. १



पूर्ण रूप

ग क

گ ک ←

छोटे रूप

کـ گـ एवं ـکـ ـگـ

नं. २ नं. १



کـ + ا = کا

کـ + ل = کل کل

--- * ---

(१) पढ़िये :-

← سات، داس، شام، شال، کام، کال، آکاش

کل، گانا، آراس، گال، ڈاک، ناک، کان، جاگا،

گل، گیا، سارا، شاردا، سارس، آشا، ناکام،

آکار، کب، کس، کم، بل، تک، تنگ، گیا، آسمان۔

(२) उर्दू में लिखिये:- साल, रास, नास, नाश, अकाल, काट, काला, कागा, आसाम, गाना, काया, तागा.

पाठ चौथा



ख़	ह़	च	ज	पूर्णरूप ←
خ	ح	چ	ج	



خ	ح	چ	ج	छोटे रूप



⟶ ज + T = जा

جا = ا + ج ⟵

جا، چا، حا، خا

*

(१) पढ़िये :-

← جا، آجا، ناچا، حال، خام، اناج، خار، اجاز،
جانا، باجا، جالا، یار، آب دار، پان دان، نام دار، چال،
خالا، چاٹ۔

(२) उर्दूमें लिखिये :-

चाचा, ख़ाल, जाम, आचार, चार, जाता, जान, चाप, ख़ाना, चाक़, जानदार, ख़ानदान.

पाठ पाँचवाँ (भाग १)



श	स	
ش	س	पूर्णरूप १



← ش س २

पाठ तीसरा

※ पूर्ण और छोटे रूप



ज़ ذ	ड ڈ	द د
ज़ ز	ड़ ڑ	र ر
		व و

(१) ※ अिन अक्षरोंका रूप बदलता नहीं और इनके बाद कोई अक्षर मिलता नहीं !
(२) ज़ और ज़ की आवाज़ वाले उर्दू में चार अक्षर हैं ! अुनका भेद स्पष्ट करनेके लिये रेखांकित अक्षरोंके समान संकेत चिन्होंका प्रयोग किया जायेगा !

دا = ا + د ← द + ा = दा

دا - ڈا - ذا - را - ڑا - زا - وا

(१) इन शब्दोंको पढ़िये :-

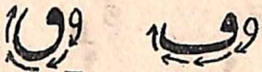
← دادا - ڈرا - ذال - دال - بازار - دانا - یارا - آواز - آزار - رام - داب - یاد - بادام - راون -

(२) निम्न लिखित शब्दोंको उर्दूमें लिखिये !
दादर, आबाद, वाद, वार, बाड़ा, नादान, मार, ड़ाल, दारा, अनार, दयार, अपार, दरया.

पाठ दूसरा

क़ फ़

ق ف ← पूर्णरूप



ल म

ل م ←



छोटे रूप



म क़ फ़ ल

ـمـ और ﻣ ﻗ ﻓ ـل

फ़ + ा = फ़ा



और

فا - قا - ما - ما ←

※ 

ल + ा = ला

لا = ا + ل ←

(१) ये शब्द पढ़िये

← فال، قال، مال، آفاق، تالاب، تام، فام، آم

بالا، ناف، قاف، میاں، قتل، فنا، بتلا، پاتال، لایا، مالا

(२) उर्दू में लिखिये:- लाल, बाल, ताला, माया, आलाम.

[※ "ला" लिखने की पध्दत ध्यानमें रखें:- पहले "ल" का छोटा रूप बना लिजिये और फिर "अ" मिलाईये]

با

ब + T = बा

ب + ا = با

या ना टा ता पा बा

یا نا ٹا تا پا با

१) ये शब्द पढ़िये।

بابا - باپ - پات - پان - تان - تاپ - پاٹ - تاٹ

بان - ٹاپ - ٹائے - ناپ - نانا - آٹا - آیا - آپا -

२) इन शब्दों को उर्दू में लिखिये :-

बात, बान, बाब, तान, ताता, बाटा,

नान, ताया, पाया, पाना, नाया, आना,

भाग २रा

بنا

ب + نا = بنا

३) निम्न लिखित शब्द पढ़िये और

देवनागरी में लिखिये।

بنا، پتا، بنایا، بتایا، بیا، اپنا، بٹاٹا، نیا، نیا

اپنایا، بٹانا، اپنانا۔

पाठ पहला (भाग १ ला)



अ आ

ا آ ← पूर्ण रूप



ब प त ट

ب پ ت ٹ ← पूर्ण रूप

न य ई※

ن ے ی ← पूर्ण रूप



छोटे रूप

'ا' (अ) का रूप नहीं बदलता! ا آ

ب = بـ پـ تـ ٹـ

ن = نـ

ے = یـ

ی = یـ

[※ इस "ई" का उपयोग शुरू के पाठों में नहीं है। परंतु इस का छोटा रूप یـ "ब" वर्ग के अक्षरों जैसा है, इस लिये यहाँ लिया गया है।]

कुछ महत्वकी सूचनाएँ

१. उर्दू लिपि सीधी तरफसे लिखी जाती है।

२. उर्दू मूलाक्षरोंमें अरबी, फारसी, हिन्दी आदि भाषाओंके अक्षर हैं। इसलिये एकही उच्चारके एक से अधिक मूलाक्षर अक्षर हैं। जिस भाषा का शब्द होगा उसी भाषाके मूलाक्षरोंमें लिखा जायगा। इस तरह उनके प्रयोगकी समस्या निर्माण हो जाती है। इस कठिनाई को (मैंने एसे समान उच्चार रखनेंवाले अक्षरोंको) विभिन्न संकेत चिन्हों द्वारा स्पष्ट करने का प्रयास किया है। जो केवल इसी पुस्तक तक मर्यादित है। जब आप को उर्दू लिखने का अभ्यास हो जायगा तब इस की आवश्यकता नही होगी।

३. उर्दू के प्रत्येक शब्दमें आनेवाले सभी अक्षर आपसमें मिल जाते हैं।

४. परंतु द, ड, र, अ वर्ग के ऐसे अक्षर हैं, जिन के आगे अक्षर नही जुडते बल्कि दूसरे अक्षर उन्हें जुडते हैं।

५. इसी तरह कुछ अक्षर ऐसे हैं। जिन का रुप बदलता नहीं।

६ उर्दू के हर शब्द का अन्तिम अक्षर पूर्ण रुपमें लिखा जाता है।

७. इसलिये कहीं कहीं जब हिन्दी के किसी शब्दमें अन्तिम अक्षर ऱ्हस्व इकारांत (ि) होता है तब भी उर्दू मे "दीर्घ इकारांत" (ी) ही लिखा जाता हैं।

८. उर्दु मूलाक्षरों को आप केवल उनकी आवाज से ही पढें।

९. लिखते समय "बाण" जिस दिशाकी ओर दिखाया हैं, उसी ओर से शुरूआत कीजिये।

१०. कृपया जबतक एक पाठ पर अच्छी तरह प्रभुत्व न पालें आगे न बढें।

धन्यवाद

जिनकी प्रेरणासे मै यह किताब

आपके हाथोंमे दे सका,

अुन

प्रिय भाई,

श्री. डॉ. रमेशचंद्र दी. शहाजी को

G. F. A. M.

(संचालक – साधना हिंदी शिक्षालय)

समर्पित

अमीने हजीं

अपनी ओरसे

आपने उर्दू लिपिका तथा उर्दू भाषाका अध्ययन करने का इरादा किया है। आपका मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ।

उर्दू भारत कीही भाषा है। उसने भारत ही में जन्म लिया। भारत ही में पली और बढी है। यह केवल किसी वर्ग विशेष की भाषा नहीं हैं। बल्कि मेरी और आप सभीकी भाषा है, और एक संपन्न, मधुर, परिपूर्ण और जोशीली भारतीय भाषाओं का अलंकार है।

मैंने यथाशक्य अति सरल रुपसे उर्दू लिपि को समझाने का और सिखाने का प्रयत्न किया है। इसमें मैं कहाँ तक सफल हो सका हूँ, इसका फैसला आप पर छोड देता हूँ।

चूँकि मैंने "साधना" हिन्दी शिक्षालय में प्रत्यक्ष रुपमें उर्दू लिपिपरिचय के वर्ग चलाये हैं, और सिखाते समय शिक्षार्थियों को जो कुछ भी कठिनाइयाँ आयीं उनका पुर्ण रुपसे अनुभव पाकर ही मैंने इस पुस्तक को आपके सामने प्रस्तुत करने का साहस किया है।

यदि इस के बाद भी कोई कमी तथा दोषोंको बताया गया औंर उपयुक्त सूचनाये भेंजी गयीं तो में उसका हार्दिक स्वागत करुँगा।

इस पुस्तक की तैयारी मैं भाई सतीश शाह ने जो सहायता की है उसका शुक्रिया अदा न करना नाइन्साफ होगी।

आपका

अमीने हजीं

रा. भा. पंडित

२५-४-६१

7086

सुलभ उर्दू परिचय

भाग दूसरा

अमीने हज़ीं

रा. भा. पंडित

किमत ३ रु.

सुलभ उर्दू परिचय



लेखक:-
अमिने हजीं
(सा. भा. पंडित)